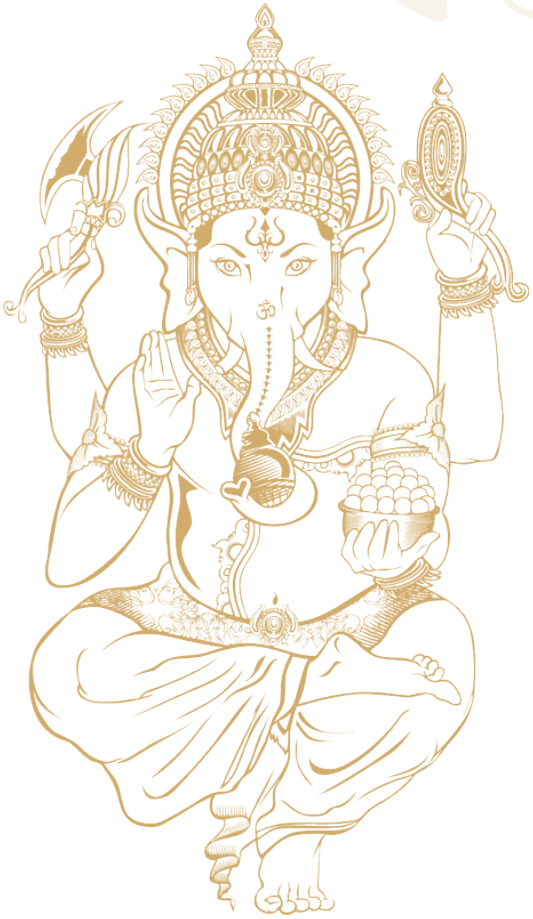

Jyoti

26 Jan 2002

08:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120976804

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**26/01/2002**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**08:00:00 घंटे**
इष्ट	01:58:38 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:38:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:30 घंटे
साम्पातिक काल	15:59:45 घंटे
सूर्योदय	07:12:32 घंटे
सूर्यास्त	17:55:02 घंटे
दिनमान	10:42:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	12:04:17 मकर
लग्न के अंश	25:08:07 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ऐन्द्र
करण	बालव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-कीर्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	25:08:07	451:46:44	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
सूर्य			मक	12:04:17	01:00:59	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	03:56:11	13:48:44	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मीन	11:19:18	00:43:35	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	मक	15:51:02	01:10:44	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	13:38:47	00:06:17	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	14:51:09	01:15:22	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		वृष	14:18:27	00:01:27	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	02:45:21	00:00:07	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	02:45:21	00:00:07	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष			मक	29:52:26	00:03:21	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	14:29:08	00:02:17	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	22:57:52	00:01:40	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			वृश्चि	08:08:43	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:54

लग्न-चलित

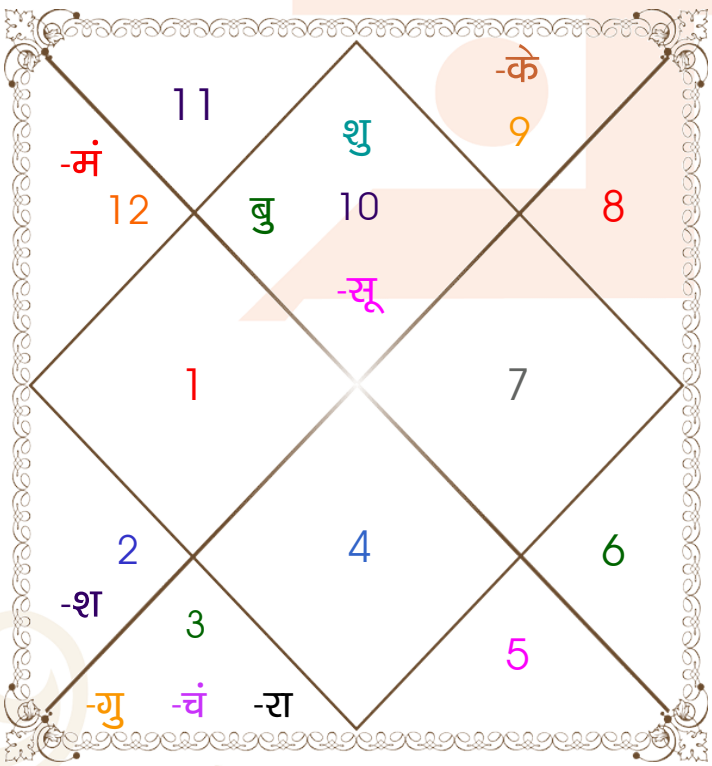

चन्द्र कुंडली

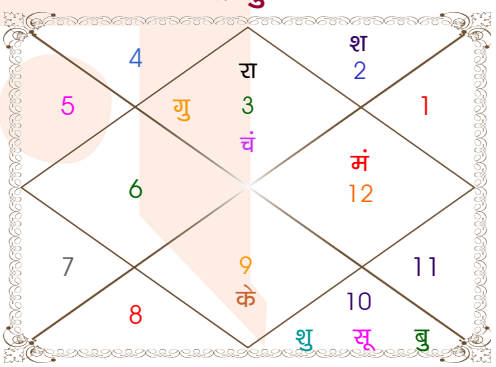

नवमांश कुंडली

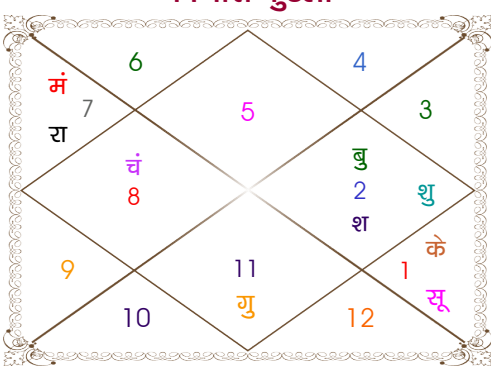

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 5 मास 6 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
26/01/2002		03/07/2003		03/07/2021		03/07/2037		03/07/2056	
03/07/2003		03/07/2021		03/07/2037		03/07/2056		03/07/2073	
	00/00/0000	राहु	16/03/2006	गुरु	21/08/2023	शनि	06/07/2040	बुध	29/11/2058
	00/00/0000	गुरु	08/08/2008	शनि	03/03/2026	बुध	16/03/2043	केतु	26/11/2059
	00/00/0000	शनि	15/06/2011	बुध	08/06/2028	केतु	24/04/2044	शुक्र	26/09/2062
	00/00/0000	बुध	02/01/2014	केतु	15/05/2029	शुक्र	24/06/2047	सूर्य	03/08/2063
	00/00/0000	केतु	20/01/2015	शुक्र	14/01/2032	सूर्य	05/06/2048	चंद्र	01/01/2065
	26/01/2002	शुक्र	20/01/2018	सूर्य	01/11/2032	चंद्र	05/01/2050	मंगल	29/12/2065
शुक्र	27/07/2002	सूर्य	14/12/2018	चंद्र	03/03/2034	मंगल	13/02/2051	राहु	18/07/2068
सूर्य	02/12/2002	चंद्र	14/06/2020	मंगल	07/02/2035	राहु	20/12/2053	गुरु	24/10/2070
चंद्र	03/07/2003	मंगल	03/07/2021	राहु	03/07/2037	गुरु	03/07/2056	शनि	03/07/2073

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/07/2073		03/07/2080		04/07/2100		04/07/2106		04/07/2116	
03/07/2080		04/07/2100		04/07/2106		04/07/2116		00/00/0000	
केतु	29/11/2073	शुक्र	02/11/2083	सूर्य	21/10/2100	चंद्र	05/05/2107	मंगल	30/11/2116
शुक्र	29/01/2075	सूर्य	01/11/2084	चंद्र	22/04/2101	मंगल	04/12/2107	राहु	18/12/2117
सूर्य	06/06/2075	चंद्र	03/07/2086	मंगल	28/08/2101	राहु	03/06/2109	गुरु	24/11/2118
चंद्र	05/01/2076	मंगल	02/09/2087	राहु	22/07/2102	गुरु	03/10/2110	शनि	03/01/2120
मंगल	02/06/2076	राहु	02/09/2090	गुरु	11/05/2103	शनि	04/05/2112	बुध	30/12/2120
राहु	21/06/2077	गुरु	03/05/2093	शनि	22/04/2104	बुध	03/10/2113	केतु	28/05/2121
गुरु	28/05/2078	शनि	03/07/2096	बुध	26/02/2105	केतु	04/05/2114	शुक्र	27/01/2122
शनि	06/07/2079	बुध	04/05/2099	केतु	04/07/2105	शुक्र	03/01/2116		00/00/0000
बुध	03/07/2080	केतु	04/07/2100	शुक्र	04/07/2106	सूर्य	04/07/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 4 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में मकर लग्न के उदय काल में हुआ था। जन्म लग्न के समय पूर्वीय क्षितिज पर सिंह राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादि के प्रभाव की ज्योतिषीय आकृति से यह दृष्टिगत हो रहा है कि आपके जन्म प्रभाव के फलस्वरूप आपका जीवन धन, प्रतिष्ठा एवं शक्ति से संपन्न गुणों का प्रतिनिधित्व करायेगा। परंतु आप मन में ऐसी भावना लेकर निश्चिंत न होंवे कि क्योंकि आपके जन्म का जो प्रभाव है वह आपकी परिस्थिति के अनुकूल है इसलिए सब कुछ स्वतः ठीक हो जाएगा। ऐसा न समझे। आपको सफलता की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। अर्थात् आपकी सफलता का श्रेय आपके परिश्रम और आपकी सच्ची लग्न पर निर्भर करता है।

आपकी महत्वकांक्षा के प्रति आपकी कार्यदक्षता एक अनुग्रहणीय गुण से युक्त है। आप अच्छी प्रकार यह जानती हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान की शक्ति से कुशाग्र बुद्धिमत्ता द्वारा अपनी योजना के प्रति समर्पित होकर उस कार्य योजना को लाभदायक एवं धन प्रदायक बना कर प्रस्तुत कर सकती हैं जो सुदृढ़ सुनिश्चियात्मक है। यदि आप ऐसा करें तो इसकी संभावना से विजयोल्लासित हो सकती हैं।

इस प्रकार आप लाभजनक स्थिति में आ सकती हैं। आप जीवन के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष की आयु के मध्य आपकी उन्नति एवं आपका भविष्य अन्यों की अपेक्षा उत्तम एवं प्रमुख नक्षत्र की भांति चमत्कृत होगा। आप अपनी वृद्धा अवस्था काल सहजतापूर्वक धन संचय संबंधी भवन का निर्माण कर सकती हैं।

आपके पति आपका सीखभरी गुण युक्त निर्देशन प्राप्त करेंगे। क्योंकि लोग आपके पास पहुंच कर महत्वपूर्ण विषयों पर निर्देशन प्राप्त करेंगे। आप मात्र उचित सम्मति ही नहीं प्रदान करेंगी बल्कि आप जरूरतमंद लोगों को धन संबंधी उचित स्रोत की भी व्यवस्था करेंगी। आप निश्चय पूर्वक दान सेवी संस्था को दान भी देंगी। क्योंकि आपका झुकाव धर्म की ओर भी रहता है। इस कारणवश आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण एवं परिदर्शन भी करेंगी।

आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति थोड़ी बहुत सतर्कता बरतनी चाहिए। यद्यपि आप स्वस्थ प्रसन्न एवं दीर्घजीवी प्राणी हैं। परंतु ऐसी आशंका है कि आप संबंधित रोगादि से प्रभावित भी हो सकती हैं। यथा चर्मरोग, अपाचन प्रक्रिया एवं क्षयरोगादि। इस संबंध में आप रूचिपूर्वक इस विधान को अंगीकृत करती हैं कि स्वस्थ्य रहने के लिए सतर्कता बरतनी चाहिए। आप सदैव उन संभावित दुर्घटनादि की अनदेखी न करें। जो सामान्य रूप से शरीर में छोटी-मोटी चोटादि होते रहते हैं।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग त्याज्य है। परंतु आपके लिए सफेद, लाल, काला एवं नीला रंग सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए अंकों में 3 अंक सर्वथा प्रतिकूल है। परंतु आपके लिए अनुकूल अंक

6, 8 एवं 9 अंक है। यह सभी महत्वपूर्ण कार्यो के संपादन हेतु लाभजनक है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वोत्तम दिन है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए सर्वथा प्रतिकूल है।